



IIM Raipur Shows Consistent Growth in NIRF 2025 Rankings

Raipur, 4th September 2025 | Indian Institute of Management Raipur is delighted to announce its commendable performance in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) 2025, released on 4 September 2025. The institute has built on last year's momentum, recording growth in multiple areas of teaching, research, and outreach, in line with its commitment to academic excellence and societal impact.

This year, IIM Raipur has shown significant progress in a number of important areas. The number of faculty members has gone up from 58 in 2024 to 63 in 2025. This makes the institute's research and teaching abilities even stronger. The number of students and the strength of the student body have also grown a lot. For example, the number of PG admissions went up from 580 last year to 713 this year. This shows that the student body is more diverse and has more students from different regions. Consultancy work has also increased a lot; the institute did 10 consultancy projects in 2023–24, up from just 4 the year before. This rise is shown in the annual earnings, which went up to ₹2.98 crore, showing that the industry is more involved.

The annual income from management development and executive programs has also been going up a lot, going from ₹24.68 crore last year to ₹26.53 crore this year. This shows that there is a strong and growing need for IIM Raipur's executive training programs. Investment in library resources and academic capital expenditures rose substantially, from ₹2.75 crore in 2024 to ₹7.06 crore in 2025. This is in line with the institute's promise to improve academic assistance and infrastructure. Finally, the institute's dedication to creating knowledge has been confirmed by a big increase in PhD output. There were 11 doctoral graduates in 2023–24, up from just 2 the year before.

Professor Sanjeev Prashar, Director-in-Charge of IIM Raipur, said on this occasion, "We are very happy that IIM Raipur is consistent in the NIRF 2025 rankings. The changes show how hard our faculty work, how well our students do, and how hard we work to make a difference. We are seeing results from our investments in academics, more research output, and relationships with businesses. This acknowledgement makes us want to do even more."

"Our involvement with business and society has reached new heights," stated Prof. Satyasiba Das, Dean of External Relations at IIM Raipur. "Doubling the number of consulting engagements and adding more executive programs shows how useful and relevant our institute is in the real world. We are still dedicated to building great relationships with other businesses and being proactive in leading thought in business and management", he added.

Looking ahead, IIM Raipur is committed to innovative teaching, impactful research, and broader outreach. The institute continues to expand opportunities for students and faculty, aiming for even greater achievements in the coming year.



About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2025, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 15th in the MHRD-NIRF Business Ranking, and in 2024 securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, please visit: www.iimraipur.ac.in





आईआईएम रायपुर ने एन.आई.आर.एफ. 2025 रैंकिंग में निरंतर प्रगति दर्ज की

रायपुर, 4 सितम्बर 2025 | भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर (भा. प्र. सं. रायपुर) को यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग प्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) 2025, जो 4 सितम्बर 2025 को जारी हुई, में संस्थान ने सराहनीय प्रदर्शन किया है। शिक्षण, शोध और सामाजिक पहुँच जैसे अनेक क्षेत्रों में संस्थान ने पिछले वर्ष की गति को आगे बढ़ाते हुए उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस वर्ष भा. प्र. सं. रायपुर ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है। संकाय सदस्यों की संख्या 2024 में 58 से बढ़कर 2025 में 63 हो गई है। इससे संस्थान की शिक्षण और शोध क्षमता और भी सशक्त हुई है। छात्र संख्या एवं छात्र समुदाय की विविधता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उदाहरणस्वरूप, स्नातकोत्तर प्रवेश 2024 में 580 से बढ़कर 2025 में 713 हो गया है। यह वृद्धि छात्र समुदाय की व्यापकता और विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व को दर्शाती है। परामर्श (कंसल्टेंसी) कार्यों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है—2022–23 में जहाँ केवल 4 परामर्श परियोजनाएँ थीं, वहीं 2023–24 में यह संख्या बढ़कर 10 हो गई। इसके परिणामस्वरूप वार्षिक परामर्श आय ₹2.98 करोड़ तक पहुँची, जो उद्योग जगत की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।

प्रबंध विकास एवं कार्यकारी कार्यक्रमों से प्राप्त वार्षिक आय भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। पिछले वर्ष की ₹24.68 करोड़ की आय इस वर्ष बढ़कर ₹26.53 करोड़ हो गई। यह दर्शाता है कि भा. प्र. सं. रायपुर के कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की माँग लगातार सुदृढ़ हो रही है। पुस्तकालय संसाधनों एवं शैक्षणिक पूँजीगत व्यय में भी व्यापक वृद्धि हुई है, जो 2024 में ₹2.75 करोड़ से बढ़कर 2025 में ₹7.06 करोड़ पर पहुँचा। यह संस्थान की शैक्षणिक सहयोग और अवसरचर्चा को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। अंततः, संस्थान की ज्ञान-सृजन के प्रति प्रतिबद्धता पीएच.डी. उपाधिधारकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि से प्रमाणित होती है। वर्ष 2022–23 में जहाँ केवल 2 शोधार्थी स्नातक हुए थे, वहीं 2023–24 में यह संख्या बढ़कर 11 हो गई।

इस अवसर पर भा. प्र. सं. रायपुर के निदेशक-प्रभारी प्रो. संजीव पराशर ने कहा, “हमें अत्यंत प्रसन्नता है कि भा. प्र. सं. रायपुर ने एन.आई.आर.एफ. 2025 रैंकिंग में निरंतरता बनाए रखी है। यह परिवर्तन हमारे संकाय के परिश्रम, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और हमारे सतत प्रयासों का परिणाम है। शैक्षणिक निवेश, शोध निष्पादन और उद्योग जगत से सहयोग अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। यह मान्यता हमें और भी ऊँचे लक्ष्यों की ओर प्रेरित करती है।”

भा. प्र. सं. रायपुर के डीन एक्सटर्नल रिलेशंस, प्रो. सत्यसीब दास ने कहा, “व्यवसाय एवं समाज के साथ हमारा जुड़ाव नई ऊँचाइयों पर पहुँचा है। परामर्श परियोजनाओं की संख्या दोगुनी होना और कार्यकारी कार्यक्रमों में वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि हमारा संस्थान वास्तविक दुनिया में कितना प्रासंगिक और उपयोगी है। हम उद्योग जगत के साथ सशक्त साझेदारी स्थापित करने और व्यवसाय एवं प्रबंधन में विचार नेतृत्व प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।”

आगे की ओर देखते हुए, भा. प्र. सं. रायपुर अभिनव शिक्षण, प्रभावी शोध एवं व्यापक सामाजिक पहुँच के प्रति समर्पित है। संस्थान विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए अवसरों का विस्तार जारी रखेगा और आने वाले वर्ष में और भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए प्रयासरत रहेगा।



भा.प्र.सं. रायपुर के विषय में:

सन् 2010 में स्थापित भा.प्र.सं. रायपुर गतिशील नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने वाला एक प्रमुख केंद्र है, जो उन्हें व्यवसाय क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक ज्ञान, अनुभव और सशक्त संपर्क प्रदान करता है। संस्थान के पास विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों के 50 से अधिक प्रख्यात अध्यापक तथा देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ हैं। वर्ष 2025 में संस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त कीं— एम.एच.आर.डी.-एन.आई.आर.एफ. बिज़नेस रैंकिंग में 15वाँ स्थान, वर्ष 2024 सी.एस.आर.-जी.एच.आर.डी.सी. बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान तथा आउटलुक-आई.केयर सूची में 8वाँ स्थान हासिल किया। हम देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे प्रबंधन संस्थानों में से एक हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर में स्थित हमारा नवीन, अत्याधुनिक परिसर आधुनिक स्थापत्य को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत से जोड़ते हुए एक प्रेरणादायी शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

अधिक जानकारी के लिए देखें: [www.iimraipur.ac.in](<http://www.iimraipur.ac.in>)